of the society to ensure that they are not affected adversely by the ruling market prices. The Central Government has been advising the State/UT Governments, among other things, to use mobile vans in the areas which are unserved or under-served, to increase the commodity coverage, to evolve an effective co-ordination system among various agencies engaged in PDS and to organise sale of PDS items in Haats in tribal areas.

राजस्थान में टी वी० रिले केन्द्र

*89. **डा० अबरार अहमद** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि जयपुर से दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले समाचार पूरे राजस्थान में देखे-सुने जा सकें और राजस्थान की पूरी जनसंख्या कब तक जयपुर दूरदर्शन से प्रसारित सभी कार्यक्रमों को देख सकेगी और इस समय इस संबंध में क्या कठिनाइयां पेश आ रही हैं;

(ख) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि राजस्थान में सवाई माधोपुर में स्थापित टी० वी० रिले केन्द्र से सवाई माधोपुर के निवासियों को फायदा नहीं हुआ है, यदि हां, तो उसके क्या कारण है; और

(ग) राजस्थान में कौन-कौन से टी० वी० रिले केन्द्र शीघ्र काम करना प्रारंभ कर देंगे ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री (कु० गिरिजा व्यास) : (क) इन्सैट II की समय अवधि के दौरान उपग्रह सुविधा का उपयोग करने के लिए योजना बनाई गई है ताकि दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर से मूल रूप से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम राज्य के सभी दूरदर्शन ट्रांसमीटरों द्वारा रिले किए जा सकें।

(ख) जी, हां। सवाई माधोपुर के ट्रांसमीटर से वहां की भू-भागीय परि-स्थितियों के कारण समूचे नगर को सेवा नहीं मिल पा रही है। इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि उसी ट्रांसमीटर को नगर के किसी वैकल्पिक स्थान पर ले जाया जाए और अधिक से अधिक कवरेज के लिए ट्रांसमीटर के एंटीना को 100 मीटर ऊंचे मास्ट पर स्थापित किया जाए।

(ग) दूरदर्शन की 1990-91 की वार्षिक योजना के अंग के रूप में राजस्थान में सूरजगढ़, गंगापुर और श्री डूंगरगढ़ में एक-एक अल्पशक्ति (100 वाट) अर्थात् तीन टी.वी. ट्रांसमीटरों के 1992 के दौरान चालू कर दिए जाने का कार्यक्रम है।

अखबारी कागज की उपलब्धता में कमी

*90. **श्री रणजीत सिंह** :

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 8 अप्रैल, 1991 के "फाइनेंशियल एक्सप्रैस" में 50 प्रतिशत शार्टफाल इन न्यूजप्रिन्ट एवेलेबिलिटी फियर्ड" (अखबारी कागज की उपलब्धता मे 50 प्रतिशत कमी की आशंका) शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या वर्ष 1991-92 में अखबारी कागज की उपलब्धता में कठिनाई आने की सम्भावना है;

(ग) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा वर्ष 1991-92 के दौरान अखबारी कागज की कुल कितनी मांग होने का अनुमान लगाया गया है; और

(घ) अखबारी कागज की मांग को स्वदेशीय उत्पादन तथा आयातित अखबारी कागज से पूरा करने के लिए सरकार ने क्या प्रबन्ध किये है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री (कु० गिरजा व्यास) : (क) जी, हां।

(ख) जी, हां।

(ग) और (घ) अनुमान है कि वर्ष 1991–92 में अखबारी कागज की कुल मांग 5.85 लाख मीट्रिक टन होगी। जबकि 1991–92 में देश में अखबारी कागज के 2.95 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान है। यह कमी विदेशी मुद्रा की उपलब्धता के अनुसार आयात द्वारा पूरी की जाएगी।

Legislation to amend Prasar Bharati Bill

*91. SHRI KAPIL VERMA:

SMT. VEENA VERMA:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government propose to bring forward any legislation to amend the Prasar Bharati Bill; and

(b) if so, main modifications proposed to be made and reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUM. GIRIJA VYAS): (a) Yes Sir, if necessary.

(b) It is not possible at this stage to spell out the details of such amendments. The Government is committed to set up the Prasar Bharati and to introduce competition in the electronic media.

Main Battle Tank Project

*92. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Main Battle Tank Project is nowhere near completion as reported in a newsitem in Sunday Times dated June 16, 1991;

(b) if so, the total amount spent so far on this project; and

(c) what steps Government propose to take to expedite the project?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SHARAD PAWAR): (a) No, Sir. Main Battle Tank (MBT) Project is in an advanced stage of development. So far twelve prototypes of MBT have been fabricated which are undergoing trials. Orders for six pre-production series tanks have also been placed.

(b) The amount of money spent on the project is Rs. 203.71 crores including the commitments made as on 31 Mar. 1991.

(c) Does not arise, in view of reply to part (a).

Growing sickness in the small scale industries sector

*93. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the growing sickness in the small scale industries sector in the country;

(b) if so, the number of such units which became sick during the last two years alongwith the reasons for their sickness; and

(c) what are the measures taken to make them economically viable?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. J. KURIEN): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Data on sickness are compiled by the Reserve Bank of India. Latest data regarding sick small scale industrial units are available up to December 1988. The number of sick small scale industrial units at the end of December 1987; and